



2011/12 927/14-1012  
 2011/12 13/13-00  
 2011/12 18-8-2003

2003/04

न्यायालय जनजातिवादी कोर्ट

कास संख्या-14 सन् 2003 ई०

जन्त गोपीचन्द्र देवुखान एन्ड सेल्फर जोसाईटी अर्थात द्वारा प्रख्यात रामवरण पुर गोपीचन्द्र ।

बनाम

श्रीमत्तमा हरचन्द्रपुर दादी श्रीमत्तमान हरचन्द्रपुर परगना जगपत तहसील जोश्या बनसध जगपत ।

अन्वयित धारा 143 उ० प्र० उ० वि० अधिनियम मीजा हरचन्द्रपुर तहसील जोश्या जग्गा बाबत ।

आदेश



प्रतिनिधि विमर्शवादी प्रस्तुत । तः की आख्या वि० 16-8-2003 के अनुसार कासरा नम्बर 149 वि० रकबा 2-665 हे० जगान 140-88 पैस स्थित मीजा हरचन्द्रपुर में वादी द्वारा कार्य बन्द करके शेष बनाया जाहता है । वादी द्वारा अपने प्रार्थना पत्र में उक्त भूमि की धारा 143 उ० प्र० उ० वि० अधिनियम के अन्वयित जग्गा विमर्शवादी धारित करने का अज्ञोषा किया गया है ।

अतः तः की आख्या वि० 16-8-2003 तथा वादी के प्रार्थना पत्र के आधार पर कासरा नम्बर 149 वि० रकबा 2-665 हे० जगान 140-88 पैस स्थित मीजा हरचन्द्रपुर में वादी द्वारा कार्य बन्द करके शेष बनाया जाहता है । इसकी उक्त भूमि की धारा 143 उ० प्र० उ० वि० अधिनियम के अन्वयित जग्गा बाबत है मुदा कः अज्ञोषा धारित किया जाहता है । तदनुसार परगना जगपत बरामद वादी को । आदेश की एक प्रति उपरिलेखित कोर्ट के कार्यालय में लोकी गये । अथः उ० उ० जगदली न्यायालय बरार को ।

सफल कर्ता  
तुलना कर्ता

16-8-2003  
149 वि० रकबा 2-665  
जगान 140-88 पैस  
स्थित मीजा हरचन्द्रपुर  
मीजा

प्रतिनिधि हेतु दिये गये स्टाफ का पुराना  
प्रार्थना पत्र देने का दिनांक  
वास्तविक जगपत होने का दिनांक  
प्रतिनिधि पत्र का दिनांक  
प्रतिनिधि विमर्श करने वाले के हस्ताक्षर

